अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 संख्या 125 श्री विजय पुरम, मंगलवार, 12 मई 2026 web: dt.andamannicobar.gov.in 2.00 रूपए

माननीय प्रधानमंत्री ने गुजरात के सोमनाथ मंदिर के पुनर्स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित सोमनाथ अमृत महोत्सव में भाग लिया

सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि कोई भी राष्ट्र तभी लंबे समय तक मजबूत रह सकता है, जब वह अपनी जड़ों से जुड़ा रहेः प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, 11 मई।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज गुजरात के सोमनाथ मंदिर की पुनर्स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित सोमनाथ अमृत महोत्सव में भाग लिया।

सोमनाथ मंदिर परिसर में इसकी पुनर्स्थापना की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक भव्य सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस आयोजन को महज एक औपचारिक समारोह से कहीं अधिक, भारत की शाश्वत चेतना और सभ्यतागत दृढ़ता की घोषणा बताया। इस ऐतिहासिक सभा में वैदिक मंत्रों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और समुद्र की लहरों की गर्जना के संगम से दिव्य भक्ति और राष्ट्रीय गौरव का अद्भुत संगम देखने को मिला, जिसने इस पवित्र स्थल के पुनर्निर्माण का जश्न मनाया।

प्राचीन शास्त्रों के ज्ञान का हवाला देते हुए, प्रधानमंत्री ने बताया कि कैसे यह सृष्टि ईश्वर से उत्पन्न होती है और उसी में विलीन हो जाती है। श्री मोदी ने कहा, 'यतो जायते पाल्यते येन विश्वम्, तमिशम् भजे लीयते यत्र विश्वम्, आज हम उनके निवास के पुनर्निर्माण का पर्व मना रहे हैं।' अपनी व्यक्तिगत श्रद्धा व्यक्त करते हुए, प्रधानमंत्री ने दादा सोमनाथ के एक परम भक्त के रूप में मंदिर की अपनी अनगिनत यात्राओं को याद किया। श्री मोदी ने कहा, 'मैंने उनके समक्ष अनगिनत बार नमन किया है, लेकिन आज जब मैं यहां आ रहा था, तो समय के इस सफर ने मुझे एक सुखद अनुभव दिया।' प्रधानमंत्री ने सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के दौरान कुछ महीने पहले की अपनी हाल की यात्रा को याद करते हुए, दो समारोहों के एक साथ संपन्न होने के अनूठे महत्व पर प्रकाश डाला। श्री मोदी ने कहा, 'प्रथम विनाश के 1000 वर्ष बाद भी सोमनाथ का अविनाशी रहना और आज इस आधुनिक स्वरूप की प्राण प्रतिष्ठा के 75 वर्ष पूरे होने पर, हमें हजार वर्षों की अमर यात्रा का अनुभव करने का अवसर मिला है।' 1951 में हुए इस ऐतिहासिक प्राण–प्रतिष्ठा समारोह के महत्व पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह कोई साधारण अवसर नहीं था। श्री मोदी ने कहा, 'अगर 1947 में भारत आजाद हुआ था, तो 1951 में सोमनाथ की प्राण–प्रतिष्ठा ने भारत की स्वतंत्र चेतना का उद्घोष किया था।' भारत की स्वतंत्रता के महज चार वर्ष बाद, 1951 में मंदिर के पुनर्निर्माण के गहन महत्व पर विचार करते हुए, प्रधानमंत्री ने सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा 500 रियासतों के राजनीतिक एकीकरण और सोमनाथ के पुनर्निर्माण के उनके दृढ़ संकल्प के बीच एक उल्लेखनीय समानता बताई। श्री मोदी ने कहा, 'जब देश विदेशी गुलामी से मुक्त हुआ, तो सोमनाथ के पुनर्निर्माण ने एक साथ दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत न केवल स्वतंत्र हुआ है, बल्कि वह अपनी प्राचीन महिमा को पुनः प्राप्त कर रहा है।' इस अवसर के बहुआयामी महत्व को स्पष्ट करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वे केवल 75 वर्षों का पुनरावलोकन नहीं देख रहे हैं। श्री मोदी ने कहा, 'मैं यहां सृजन और विनाश के उस संकल्प को देख रहा हूं, जिसे सोमनाथ ने पूरा किया है।' उन्होंने पवित्र परिसर में असत्य पर सत्य की शाश्वत विजय को प्रत्यक्ष रूप से देखा। प्रधानमंत्री ने सदियों से चली आ रही आध्यात्मिक चेतना के साक्षी होने की बात कही, जिसने सार्वभौमिक कल्याण के पाठ प्रदान किए हैं। उन्होंने सोमनाथ की दृढ़ता में निहित भारत के अविनाशी सार के अपने दृष्टिकोण को व्यक्त किया। श्री मोदी ने कहा, 'मैं यहां देख रहा हूं कि भारत का अविनाशी रूप, जिसे सदियों के क्रूर प्रयासों से मिटाया नहीं जा सका, पराजित नहीं किया जा सका।' उत्सव के दूरदर्शी आयाम पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि सोमनाथ अमृत महोत्सव महज स्मरणोत्सव से कहीं बढ़कर है। श्री मोदी ने कहा, 'यह केवल अतीत का उत्सव नहीं है, बल्कि यह भारत के लिए आने वाले एक हजार वर्षों की प्रेरणा भी है।' प्रधानमंत्री ने इस महत्वपूर्ण अवसर पर सभी देशवासियों और भगवान सोमनाथ के करोड़ों भक्तों को हार्दिक बधाई दी। राष्ट्रीय इतिहास के एक अन्य महत्वपूर्ण पड़ाव से इस दिन को जोड़ते हुए, उन्होंने सभा को याद दिलाया कि 11 मई को भारत द्वारा 1998 में पोखरण में किए गए परमाणु परीक्षणों की वर्षगांठ भी मनाई जाती है। उन्होंने विस्तार से बताया कि कैसे देश ने 11 मई को तीन परमाणु परीक्षण किए, जिससे भारतीय वैज्ञानिकों की क्षमता का प्रदर्शन हुआ। उन्होंने 13 मई को किए गए बाद के परीक्षणों को भारत के अटूट राजनीतिक संकल्प के प्रमाण के रूप में प्रस्तुत किया। श्री मोदी ने कहा, 'उस समय पूरी दुनिया का दबाव भारत पर था, लेकिन अटल जी के नेतृत्व में तत्कालीन सरकार ने यह प्रदर्शित किया कि हमारे लिए राष्ट्र सर्वोपरि है, दुनिया की कोई भी शक्ति भारत को झुका नहीं सकती या उस पर दबाव नहीं डाल सकती।'

ऑपरेशन के नाम के महत्व को समझाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पोखरण परमाणु परीक्षण को 'ऑपरेशन शक्ति' नाम देने के पीछे गहरे सांस्कृतिक कारण हैं। श्री मोदी ने कहा, 'क्योंकि शिव के साथ शक्ति की पूजा करना हमारी परंपरा रही है।' हिंदू प्रतिमा विज्ञान का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि अर्धनारीश्वर शिव, शिव और शक्ति की अविभाज्यता को दर्शाते हैं। प्रधानमंत्री ने याद दिलाया कि जब भारत का चंद्रयान मिशन सफलतापूर्वक चंद्रमा पर उतरा था, तब भी इसी दर्शन के अनुसार लैंडिंग स्थल का नाम रखा गया था। व्युत्पत्ति संबंधी जुड़ाव पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने प्राचीन ज्ञान और आधुनिक उपलब्धि के संगम पर प्रसन्नता व्यक्त की। श्री मोदी ने कहा, 'यह कितना सुखद है कि इस ज्योतिर्लिंग को चंद्रमा (सोम) के नाम पर सोमनाथ कहा जाता है।'

प्रधानमंत्री ने बताया कि शिव और शक्ति की एक साथ पूजा करने का दर्शन अब भारत की वैज्ञानिक प्रगति को प्रेरित कर रहा है। श्री मोदी ने कहा, 'आज हम इस संकल्प को साकार होते देख रहे हैं कि शिव और शक्ति की हमारी पूजा देश की वैज्ञानिक प्रगति के लिए प्रेरणा बने।' उन्होंने ऑपरेशन शक्ति की वर्षगांठ पर सभी देशवासियों को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने मंदिर के हजार साल के विनाश और पुनर्निर्माण के बारे में बताते हुए इस इतिहास को जीवंत करने वाली अदम्य भावना पर प्रकाश डाला। महमूद गजनी और अलाउद्दीन खिलजी जैसे आक्रमणकारियों के लगातार हमलों के बावजूद, मंदिर का पुनर्निर्माण राजा भोज, भीमदेव प्रथम, कुमारपाल, महिपाला प्रथम और राव खंगर जैसे समर्पित शासकों द्वारा बार–बार किया गया, जिनमें से प्रत्येक ने एक प्रबल आध्यात्मिक आह्वान का जवाब दिया।

श्री मोदी ने कहा, 'जिन्होंने विनाश किया, उन्होंने केवल पत्थर और गारा देखा, लेकिन वे हमारी सभ्यता की बौद्धिक और आध्यात्मिक शक्ति को कभी नहीं समझ पाए।'

देश के सांस्कृतिक पुनरुद्धार पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने क्षेत्र की पवित्र विरासत को संरक्षित करने वाले संत लकुलिशा और सोम शर्मा जैसे प्रख्यात विद्वानों के योगदान को स्वीकार किया। उन्होंने भव बृहस्पति, पशुपतचार्यों और कई अन्य विद्वानों के विद्वतापूर्ण योगदान को भी सराहा, जिन्होंने क्षेत्र की आध्यात्मिक परंपराओं को कायम रखा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विशालदेव और त्रिपुरंतक जैसे बुद्धिजीवियों को भी सम्मानित किया, जिन्होंने क्षेत्र की चेतना की रक्षा की। सम्मान के दायरे को बढ़ाते हुए, उन्होंने वीर हमीरजी गोहिल, वीर वेग्दाजी भील, पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर जी, बड़ौदा के गायकवाड़, जाम साहब महाराजा दिग्विजय सिंह जी जैसे कई अन्य महान व्यक्तित्वों के बारे में भी चर्चा की, जिन्होंने सोमनाथ की सेवा में अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने विशेष रूप से सोमनाथ की पुनर्स्थापना के आधुनिक निर्माताओं जैसे सरदार पटेल, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, के.एम. मुंशी जी और ऐसे सभी दिव्य आत्माओं को नमन किया। उन्होंने समकालीन जिम्मेदारी के लिए उनकी विरासत से प्रेरणा ली। श्री मोदी ने कहा, 'उनकी स्मृति हमें प्रेरित करती है कि हमें न केवल अपनी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाना है, बल्कि इस जिम्मेदारी को आने वाली पीढ़ियों के हाथों में भी सौंपना है।'

भारत की विशाल सांस्कृतिक विरासत पर विचार करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि सांस्कृतिक स्थल हजारों वर्षों से राष्ट्र की पहचान रहे हैं। फिर भी उन्होंने स्वतंत्रता के बाद के भारत में एक दुखद विडंबना की ओर इशारा किया। अंतरराष्ट्रीय तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया के अन्य हिस्सों में, जिन राष्ट्रों की विरासत आक्रमणकारियों द्वारा नष्ट कर दी गई थी, वे बाद में एकजुट होकर उसका पुनर्निर्माण करने में सफल हुए। प्रधानमंत्री ने इस लक्ष्य की दिशा में संस्थापक नेताओं द्वारा किए गए अथक प्रयासों को स्वीकार किया। हालांकि, उन्होंने नेतृत्व के भीतर से ही उन्हें मिले दुर्भाग्यपूर्ण विरोध के बारे में भी बताया। श्री मोदी ने कहा, 'फिर भी सरदार साहब के अडिग संकल्प ने यह सुनिश्चित किया कि राष्ट्र सदियों के कलंक को मिटा सके।' समकालीन चुनौतियों पर चिंता व्यक्त

शेष पृष्ठ 4 पर

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व–1000 वर्षों की अदम्य आस्था एवं अटूट धैर्य–वर्षव्यापी राष्ट्रीय समारोह का शुभारम्भ

मज़ार पहाड़ के शिव मंदिर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

श्री विजय पुरम, 11 मई

भारत सरकार के संस्.ति मंत्रालय द्वारा "सोमनाथ स्वाभिमान पर्व–1000 वर्षों की अदम्य आस्था एवं अटूट धैर्य" के उपलक्ष्य में 11 जनवरी, 2026 से 11 जनवरी, 2027 तक वर्षभर चलने वाले राष्ट्रीय समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह ऐतिहासिक अवसर वर्ष 1026 ईस्वी में सोमनाथ पर हुए प्रथम आक्रमण के 1000 वर्ष तथा मई, 1951 में मंदिर के पुनर्निर्माण एवं उद्घाटन के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मनाया जा रहा है। इस अवसर को चिह्नित करने हेतु अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा आज श्री विजय पुरम के मज़ार पहाड़ स्थित शिव मंदिर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन कर 'स्वाभिमान पर्व' मनाया गया। पवित्र कार्यक्रम का शुभारम्भ 'कलश यात्रा' से हुआ, जो फ्लैग प्वाइंट के निकट स्थित अय्यनार मंदिर से प्रारम्भ हुई। महिला समुदाय सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अत्यंत उत्साह एवं श्रद्धा के साथ 'कलश यात्रा' में भाग लिया, जो मज़ार पहाड़ स्थित शिव मंदिर में सम्पन्न हुई। इसके उपरांत मंदिर में मंत्रोच्चारण एवं विशेष पूजा–अर्चना की गई। कार्यक्रम में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय सांसद श्री बिष्णु पद राय, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के मुख्य सचिव डॉ. चन्द्र भूषण कुमार (आईएएस), प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अवसर के अनुरूप सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। सोमनाथ मंदिर में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम तथा माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण भी किया गया, जिसे मज़ार पहाड़ स्थित शिव मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं ने देखा।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व 1000 वर्षों की अखंड आस्था का प्रतीक है तथा इसे सार्थक सांस्कृतिक सहभागिता के मंच के रूप में परिकल्पित किया गया है, जो न केवल राष्ट्रीय पहचान को सुदृढ़ करता है, बल्कि भारत की समृद्ध एवं विविध सांस्कृतिक विरासत के प्रति गहरा सम्मान भी उत्पन्न करता है। 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' भारत की ऐतिहासिक यात्रा के दो महत्वपूर्ण पड़ावों को स्मरण करता है–वर्ष 1026 में सोमनाथ मंदिर पर हुए प्रथम आक्रमण के एक हजार वर्ष तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात वर्ष 1951 में पुनर्निर्मित मंदिर के पुनः उद्घाटन के पचहत्तर वर्ष।

यह आयोजन केवल सोमनाथ की अमर विरासत को श्रद्धांजलि देने तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक शक्ति एवं एकता की पुनर्पुष्टि भी है। श्रद्धालुओं एवं समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों की सक्रिय सहभागिता ने इस कार्यक्रम को अत्यंत स्मरणीय बना दिया।

माननीय प्रधानमंत्री ने गुजरात के सोमनाथ मंदिर

पृष्ठ 1 का शेष

करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि विभाजनकारी ताकतें आज भी प्रभावशाली बनी हुई हैं। उन्होंने राष्ट्रीय महत्व की सांस्कृतिक परियोजनाओं के विरोध के हालिया उदाहरण प्रस्तुत किए। प्रधानमंत्री ने ऐसी विभाजनकारी सोच के प्रति सतर्क रहने का आह्वान किया। उन्होंने राष्ट्रीय विकास के दोनों आयामों को सम्मान देने वाली संतुलित प्रगति की परिकल्पना प्रस्तुत की। श्री मोदी ने कहा, 'हमें विकास और विरासत को साथ लेकर आगे बढ़ना होगा।'

प्रधानमंत्री ने आर्थिक परिवर्तन में मंदिर ट्रस्ट की भूमिका को स्वीकार करते हुए इस बात पर प्रकाश डाला कि सोमनाथ किस प्रकार एकीकृत विकास का प्रतीक बन गया है, जो एक साथ आध्यात्मिक केंद्र और आर्थिक विकास का इंजन है। इससे सैकड़ों परिवारों और हजारों लोगों की आजीविका को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा, 'यह मंदिर दुनिया के कोने–कोने से लोगों को आकर्षित करता है और उनके दर्शन से पूरे क्षेत्र में समृद्धि उत्पन्न होती है।' भारत के पवित्र तीर्थयात्रा नेटवर्क पर अपना विजन विस्तारित करते हुए, प्रधानमंत्री ने हाल के वर्षों में देश भर में हुए परिवर्तनकारी विकास कार्यों का विवरण दिया, जिनमें केदारनाथ का पुनर्निर्माण, काशी के विश्वनाथ धाम का सौंदर्यीकरण, उज्जैन का महाकाल महालोक, चारधाम राजमार्ग परियोजना, गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब तक रोपवे परियोजना, करतारपुर कॉरिडोर और बौद्ध सर्किट शामिल हैं। श्री मोदी ने कहा, 'यह सब 10–12 वर्षों के भीतर हुआ है, जो दर्शाता है कि सांस्कृतिक स्थल प्रगति में बाधा नहीं हैं, बल्कि वास्तव में भारत की आध्यात्मिक–सामाजिक व्यवस्था के केंद्र हैं, और देश की आर्थिक प्रगति के स्रोत और वास्तविक विकास के द्वार भी रहे हैं।' इस प्रयास के लिए दार्शनिक आधार प्रस्तुत करते हुए, प्रधानमंत्री ने उपनिषद के कथन 'सर्वं खल्विदं ब्रह्म' का हवाला दिया, जिसका अर्थ है 'सब कुछ ब्रह्म है'। उन्होंने समझाया कि इस दृष्टि में नदियां, वन, पर्वत और संपूर्ण प्रकृति पवित्र अभिव्यक्तियों के रूप में समाहित हैं। श्री मोदी ने आग्रह किया, 'जब विश्व प्राकृतिक जीवन की ओर अग्रसर हो रहा है, तो हमें इस प्राचीन ज्ञान को

पहचानना और साझा करना चाहिए। आइए हम अपने पवित्र स्थलों को विश्व के लिए सामंजस्यपूर्ण विकास का उदाहरण बनाएं।'

राष्ट्रीय शक्ति में सांस्कृतिक निरंतरता की भूमिका पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जब नई पीढ़ियां अपने इतिहास, आस्था और मूल्यों से पुनः जुड़ती हैं, तो राष्ट्र की आंतरिक शक्ति असीम रूप से गहरी हो जाती है। श्री मोदी ने कहा, 'आज भारत जिस आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है, उसका बहुत बड़ा श्रेय इस सांस्कृतिक निरंतरता को जाता है।'

भावी पीढ़ियों के आह्वान के साथ अपनी बातों को समाप्त करते हुए प्रधानमंत्री ने उपस्थित लोगों को याद दिलाया कि पचहत्तर वर्ष पूर्व सोमनाथ की प्राण–प्रतिष्ठा ने एक परिवर्तनकारी यात्रा की शुरुआत की थी। श्री मोदी ने कहा, 'आज वह यात्रा और भी व्यापक रूप में हमारे सामने है। हमें अपनी परंपराओं से जुड़े रहते हुए इसे और भी ऊंचाइयों तक ले जाना होगा, यही हमारे समय की जिम्मेदारी है।'

मॉडल स्कूल में नवनिर्मित एवं पुनर्निर्मित ब्लॉक का उद्घाटन

श्री विजय पुरम, 11 मई

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में "सागर कवच–एसकेवी 01/26" नामक तट सुरक्षा अभ्यास 14 मई, 2026 को सुबह 6 बजे से 15 मई, 2026 को शाम 6 बजे तक आयोजित किया जाएगा। दक्षिण अण्डमान के पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि इस अभ्यास का उद्देश्य समुद्री मार्ग से रेड फोर्स तत्वों की घुसपैठ तथा स्थल आधारित महत्वपूर्ण क्षेत्रों/महत्वपूर्ण बिंदुओं (वीए/वीपी) पर काल्पनिक हमलों का अनुकरण कर तटीय सुरक्षा तंत्र की प्रभावशीलता का परीक्षण करना है। आम जनता से अनुरोध किया गया है कि अभ्यास की अवधि के दौरान घबराएं नहीं तथा तट सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने हेतु आयोजित इस महत्वपूर्ण अभ्यास की सफलता सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा बलों एवं सहभागी एजेंसियों को पूर्ण सहयोग प्रदान करें।

ग्राम पंचायतों में विशेष आधार शिविर आज से

श्री विजय पुरम, 11 मई

सामान्य जनों की सुविधा हेतु नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा मई, 2026 माह के दौरान ग्राम पंचायतों में विशेष आधार शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविर का आयोजन निम्नलिखित कार्यक्रमानुसार किया जाएगा।

समय : प्रातः 9.30 बजे से अपराह्न 4 बजे तक।

क्र.सं.	ग्राम/क्षेत्र	शिविर की अवधि (से–तक)
	दक्षिण अण्डमान	
1.	कालीकट	12.05.2026 एवं 13.05.2026
2.	छोलदारी	14.05.2026 एवं 15.05.2026
3.	नमूनाघर	19.05.2026 एवं 20.05.2026
4.	फरारगंज	21.05.2026 एवं 22.05.2026
5.	कन्यापुरम	25.05.2026 एवं 26.05.2026
6.	शोल बे	28.05.2026 एवं 29.05.2026
7.	नील केन्द्र (शहीद द्वीप)	12.05.2026 एवं 13.05.2026
	ननकौड़ी	
1.	कछाल	23.05.2026 एवं 28.05.2026

नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में सभी लोगों से अनुरोध किया गया है कि वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए विशेष आधार शिविरों में अपने आधार संबंधी कार्य संपन्न कराएं।

आईएनएस उत्क्रोश में लगा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

श्री विजय पुरम, 11 मई

अण्डमान तथा निकोबार एड्स नियंत्रण सोसायटी (एएनएसीएस) ने स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के अंतर्गत जी बी पंत अस्पताल के ब्लड सेंटर के सहयोग से आईएनएस उत्क्रोश, एमआई रूम परिसर में 8 मई, 2026 को यूनिट की 41वीं वर्षगांठ के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में कुल 35 यूनिट रक्त स्वैच्छिक रक्तदाताओं द्वारा दान किया गया। शिविर का आयोजन डॉ. सुब्रत साहा, परियोजना निदेशक, अण्डमान तथा निकोबार एड्स नियंत्रण सोसायटी तथा निदेशक, राज्य रक्ताधान परिषद, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के मार्गदर्शन में किया गया।

रक्तदान शिविर का संचालन डॉ. डी. दिव्या, जूनियर रेजिडेंट, अनिम्स, जीबी पंत अस्पताल, श्री विजय पुरम द्वारा किया गया। उन्होंने रक्तदाताओं की पात्रता की जांच की तथा उन्हें रक्तदान के विभिन्न पहलुओं एवं उसके महत्व के बारे में जानकारी दी। श्री एस. एम. वेंकटेश, सर्जन कमांडर एवं प्रधान चिकित्सा अधिकारी, कमांडिंग ऑफिसर की ओर से, श्री विजय पुरम, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह ने शिविर के सफल आयोजन हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कीं। प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि जीबी पंत अस्पताल, श्री विजय पुरम के ब्लड सेंटर तथा अण्डमान तथा निकोबार एड्स नियंत्रण सोसायटी की तकनीकी टीम ने यह सुनिश्चित किया कि दान किए गए रक्त की इकाइयों की रक्त संचारित रोगों के लिए जांच की जाए। साथ ही रक्तदाताओं की पात्रता की भी जांच की गई। स्वैच्छिक रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

भारतीय नौसेना परीक्षा–2026 हेतु ई–प्रवेश पत्र

श्री विजय पुरम, 11 मई

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा भारतीय नौसेना परीक्षा–2026 का आयोजन 13 मई, 2026 से 16 मई, 2026 तक किया जाएगा। उप सचिव (भर्ती एवं परीक्षा) द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों के ई–प्रवेश पत्र परीक्षा की निर्धारित तिथि से 3–4 दिन पूर्व आयोग की वेबसाइट (https://ssc.gov.in/ |https://sscer.org/) पर उपलब्ध करा दिए जाएंगे।

फायरिंग अभ्यास

श्री विजय पुरम, 11 मई

मैनुवर्स, फील्ड फायरिंग एंड आर्टिलरी प्रैक्टिस एक्ट, 1938 की धारा 10 की उपधारा (2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दक्षिण अण्डमान के ज़िलाधीश द्वारा जारी अधिसूचना में यह सूचित किया गया है कि आईआरबीएन कर्मियों का वार्षिक रेंज वर्गीकरण फायरिंग अभ्यास एनएससीबीपीटीआई, फायरिंग रेंज, बर्ड लाइन, प्रोथरापुर में 12, 15, 19, 22, 26, 29 मई तथा 2, 5, 9, 12, 16, 19 एवं 23 जून, 2026 को सुबह 6 बजे से शाम 3 बजे तक आयोजित किया जाएगा। आम जनता, विशेष रूप से बर्ड लाइन एवं प्रोथरापुर क्षेत्र के ग्रामीणों/निवासियों से अनुरोध किया गया है कि वे उक्त तिथियों एवं समय के दौरान स्वयं तथा अपने पशुओं को फायरिंग रेंज क्षेत्र से दूर रखें।

द्वीपों में 12 से 17 मई तक भारी वर्षा एवं आंधी–तूफान की आशंका

श्री विजय पुरम, 11 मई

कल 12 एवं 13 मई को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के एक–दो स्थानों पर 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज़ हवाओं, वज्रपात के साथ आंधी आने की अत्यधिक संभावना है।

14, 15, 16 एवं 17 मई को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के एक–दो स्थानों पर भारी वर्षा (7 से 11 सेंटीमीटर) होने तथा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज़ हवाओं एवं वज्रपात के साथ आंधी आने की भी अत्यधिक संभावना व्यक्त की गई है।

आपदा प्रबंधन निदेशालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि अण्डमान तथा निकोबार तट के आसपास तथा समुद्री क्षेत्रों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएं चलने तथा कभी–कभी इनके 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए मछुआरों को 15 से 17 मई के दौरान अण्डमान तथा निकोबार तट तथा समुद्री क्षेत्रों में नहीं जाने की सलाह दी गई है।

पुलिस भर्ती आवेदन में संशोधन हेतु सुधार विंडो 13 से 19 मई तक खुली रहेगी

श्री विजय पुरम, 11 मई

सभी संबंधितों को सूचित किया गया है कि 24 अप्रैल को जारी भर्ती अधिसूचना पुलिस विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित की गई थी तथा ऑनलाइन आवेदन जमा करने की प्रक्रिया 27 अप्रैल से प्रारम्भ हो चुकी है। ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 17 मई निर्धारित की गई है।

उम्मीदवारों को आवेदन पत्र में आवश्यक संशोधन करने हेतु 13 मई से 19 मई तक सुधार विंडो उपलब्ध रहेगी। इस अवधि के दौरान अभ्यर्थी अपनी पोस्ट वरीयता, शैक्षणिक योग्यता, अनुभव, फोटोग्राफ, हस्ताक्षर तथा अन्य अनुमन्य विवरणों में आवश्यक संशोधन कर सकेंगे। संशोधन करने के उपरांत अभ्यर्थियों को आवेदन पत्र का सावधानीपूर्वक पूर्वावलोकन कर अंतिम रूप से जमा करना होगा। साथ ही भविष्य के संदर्भ हेतु आवेदन की स्वीकृति प्रति सुरक्षित रखने की भी सलाह दी गई है।

जिन उम्मीदवारों को अपने आवेदन में किसी प्रकार का संशोधन करना है, उन्हें निर्धारित अवधि के भीतर इस अवसर का लाभ उठाने की सलाह दी गई है। सुधार विंडो बंद होने के पश्चात किसी भी प्रकार के संशोधन संबंधी अनुरोध स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पुलिस अधीक्षक (भर्ती) द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि सभी अभ्यर्थी भर्ती प्रक्रिया से संबंधित नवीनतम जानकारी के लिए अण्डमान तथा निकोबार पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट का नियमित रूप से अवलोकन करते रहें।

मॉडल स्कूल में नवनिर्मित एवं पुनर्निर्मित ब्लॉक का उद्घाटन

श्री विजय पुरम, 11 मई

शैक्षणिक अधोसंरचना को उन्नत बनाने तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए शिक्षा निदेशक श्री आदित्य संगोत्रा (दानिक्स) ने यहां के अबर्डीन स्थित राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के नव पुनर्निर्मित नेहरू ब्लॉक का उद्घाटन किया। इस ब्लॉक में प्राथमिक अनुभाग के लिए एक गतिविधि कक्ष शामिल है। मॉडल स्कूल के प्रधानाचार्य द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार उद्घाटन समारोह में शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं विद्यालय के शिक्षकों ने भाग लिया। ये नई सुविधाएं द्वीपसमूह के विद्यार्थियों को आधुनिक एवं व्यवहारिक शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराने की प्रशासन की सतत प्रतिबद्धता का हिस्सा हैं।

सभा को संबोधित करते हुए शिक्षा निदेशक ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)–2020 के अनुरूप विद्यालयी अधोसंरचना का आधुनिकीकरण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उन्नत अधोसंरचना विद्यालय में बेहतर शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करेगी।

इससे पूर्व, राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती संगीता चंद ने उपस्थित जनसमूह का स्वागत किया तथा कहा कि मॉडल स्कूल, श्री विजय पुरम अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में से एक है, जिसे निरंतर शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए मान्यता प्राप्त होती रही है। उन्होंने कहा कि इस नए ब्लॉक का जुड़ना विद्यालय के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

टैगोर कॉलेज में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया

श्री विजय पुरम, 11 मई

माई भारत, श्री विजय पुरम द्वारा टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय (टीजीसीई), श्री विजय पुरम के सहयोग से 11 मई, 2026 को कॉलेज के मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल में "राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2026" मनाया गया। कार्यक्रम में लगभग 125 युवाओं, विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी की।

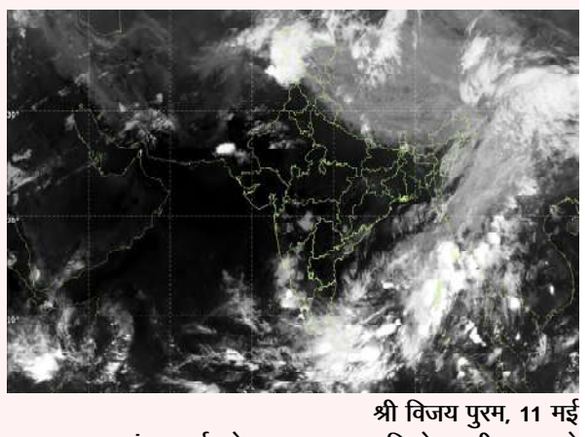

बीएसएनएल के एजीएम श्री प्रकाश खूले ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई तथा राष्ट्र निर्माण, संचार, साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल सशक्तिकरण में प्रौद्योगिकी के महत्व पर जानकारीपूर्ण संबोधन दिया। टैगोर कॉलेज की प्राचार्या डॉ. मंजु लता राव ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया तथा विद्यार्थियों को शैक्षणिक एवं व्यावसायिक विकास हेतु नवाचार, वैज्ञानिक सोच एवं डिजिटल शिक्षण को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

माई भारत के संयुक्त निदेशक श्री सुख रंजन बिस्वास ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए तकनीकी उन्नति, नवाचार तथा आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर बल दिया। कार्यक्रम का समापन "वंदे मातरम्" के सामूहिक गायन के साथ हुआ।

उल्लास वृद्धाश्रम में मना मदर्स डे

श्री विजय पुरम, 11 मई

वरिष्ठ नागरिकों के लिए राष्ट्रीय हेल्पलाइन (14567) द्वारा 'पंख' एनजीओ के सहयोग से यहां के आटम पहाड़ स्थित वृद्धाश्रम में मदर्स डे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य वृद्ध निवासियों को सम्मान एवं सहयोग प्रदान करने के साथ–साथ वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के प्रति जागरूकता फैलाना था।

कार्यक्रम के दौरान वृद्धाश्रम की मातृवत वृद्ध महिलाओं के साथ केक काटकर उत्सव मनाया गया, जिससे पूरे परिसर में खुशी एवं आत्मीयता का वातावरण बना। इस अवसर पर 'पंख' एनजीओ द्वारा वृद्धाश्रम के निवासियों के उपयोग हेतु एक मिक्सर ग्राइंडर भी भेंट किया गया। कार्यक्रम के दौरान एनएचएससी टीम ने वृद्धाश्रम के निवासियों की दैनिक आवश्यकताओं एवं उनकी सुविधा और गतिशीलता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से श्रवण यंत्र, वॉकर, घुटना कैप तथा कमर बेल्ट वितरित किए। ये सहायक उपकरण प्रधानमंत्री दिव्याशा वयोश्री केंद्र (पीएमडीवीके)–एलिम्को, समग्र क्षेत्रीय केन्द्र (सीआरसी), ब्रुक्शाबाद, श्री विजय पुरम के सहयोग से उपलब्ध कराए गए। जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि कार्यक्रम के दौरान डॉ.

रजिनी आहूजा, एमडी (एक्यूपंक्चर) द्वारा एक विशेष स्वास्थ्य सत्र आयोजित किया गया। उन्होंने वृद्ध निवासियों से संवाद किया तथा घुटनों के दर्द से राहत एवं शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार हेतु मसाज एवं व्यायाम सत्र संचालित किए। वृद्धाश्रम के निवासियों ने इसमें सक्रिय भागीदारी की तथा उन्हें प्रदान की गई देखभाल एवं सहयोग की सराहना की। कार्यक्रम का समापन वृद्ध निवासियों के साथ आत्मीय संवाद एवं उत्साहवर्धन के साथ हुआ, जिससे मदर्स डे का यह आयोजन सभी के लिए यादगार एवं सार्थक बन गया।

उद्योग विभाग द्वारा एक वर्षीय पारंपरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु आवेदन आमंत्रित

श्री विजय पुरम, 11 मई

उद्योग निदेशालय, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए 'एक वर्षीय पारंपरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम' में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

उद्योग विभाग के विभागीय प्रशिक्षण केन्द्र श्री विजय पुरम में सिलाई एवं परिधान निर्माण, बेंत एवं बाँस हस्तशिल्प, बढ़ईगिरी तथा सामान्य अभियांत्रिकी का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। डिगलीपुर केन्द्र में सिलाई एवं परिधान निर्माण, सामान्य अभियांत्रिकी तथा बढ़ईगिरी के पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। लिटिल अण्डमान (हटबे) में सामान्य अभियांत्रिकी एवं बढ़ईगिरी का प्रशिक्षण उपलब्ध रहेगा, जबकि कार निकोबार में सिलाई एवं परिधान निर्माण, बढ़ईगिरी, कॉयर एवं कॉयर उत्पाद तथा सामान्य अभियांत्रिकी का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

पात्रता : अभ्यर्थी का दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। आयु 1 जुलाई, 2026 को 15 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए। अभ्यर्थी के पास अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह का स्थानीय प्रमाणपत्र होना चाहिए तथा वह शारीरिक रूप से स्वस्थ हो, जिसका प्रमाण सरकारी चिकित्सक द्वारा प्रमाणित होना आवश्यक है।

प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले पात्र प्रशिक्षुओं को 80 प्रतिशत उपस्थिति के आधार पर प्रतिमाह 1000 रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

उद्योग विभाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि प्रवेश हेतु आवेदन प्रपत्रों का वितरण 11 मई से उद्योग निदेशालय के प्रशिक्षण प्रकोष्ठ तथा विभाग के डिगलीपुर, हटबे एवं कार निकोबार स्थित विस्तार कार्यालयों में प्रारम्भ हो गया है। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 12 जून, 2026 निर्धारित की गई है। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी संबंधित उद्योग संवर्धन अधिकारी (श्री विजय पुरम/डिगलीपुर/हटबे/कार निकोबार) से संपर्क कर सकते हैं।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

भारत में पर्याप्त तेल–गैस भंडार, विदेशी मुद्रा भंडार 703 अरब डॉलर पर–रक्षा मंत्री

नई दिल्ली, 11 मई।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि भारत में पेट्रोलियम उत्पादों और विदेशी मुद्रा का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि देश में फिलहाल 60 दिनों का कच्चा तेल भंडार, 60 दिनों का प्राकृतिक गैस भंडार और 45 दिनों का रसोई गैस भंडार मौजूद है। साथ ही, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 703 अरब डॉलर के मजबूत स्तर पर बना हुआ है।

श्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में पश्चिम एशिया की स्थिति पर गठित मंत्रियों के अनौपचारिक समूह की पांचवीं बैठक आयोजित हुई। बैठक में बताया गया कि पश्चिम एशिया संकट के बावजूद भारत में पिछले 70 दिनों से पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें स्थिर रखी गई हैं, जबकि कई देशों में इनमें 30 % से 70 % तक वृद्धि हुई है।

सरकार ने बताया कि भारत तेल शोधन करने वाला दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश और पेट्रोलियम उत्पादों का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक है। भारत वर्तमान में 150 से अधिक देशों को पेट्रोलियम उत्पाद निर्यात कर रहा है और घरेलू मांग की भी पूर्ति कर रहा है।

बैठक में जानकारी दी गई कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण भारतीय तेल कंपनियां प्रतिदिन करीब 1,000 करोड़ रुपए का नुकसान उठा रही हैं। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में यह नुकसान लगभग 2 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है। इसके बावजूद सरकार अंतरराष्ट्रीय कीमतों का पूरा बोझ आम लोगों पर नहीं डालना चाहती।

श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ईंधन संरक्षण केवल तत्काल बचत के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा और दीर्घकालिक क्षमता निर्माण के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि यदि संकट लंबा चलता है, तो जिम्मेदार खपत की संस्कृति विकसित करना आवश्यक होगा।

बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अपील का भी उल्लेख किया गया। प्रधानमंत्री ने लोगों से मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करने, साझा वाहन व्यवस्था अपनाने, अनावश्यक विदेशी यात्राओं से बचने और घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने की अपील की है। साथ ही, किसानों से रासायनिक उर्वरकों का उपयोग 50 % तक कम करने, प्राकृतिक खेती अपनाने और सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई पंपों के इस्तेमाल को बढ़ाने का आग्रह किया गया है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार का प्राथमिक उद्देश्य ऊर्जा आपूर्ति को बाधित होने से बचाना और समुद्री व्यापार मार्गों को सुरक्षित रखना है। बैठक में रणनीतिक तेल भंडार की जरूरतों की पुनर्समीक्षा पर भी चर्चा हुई।

सरकार ने बताया कि 11 मई तक देश में कुल उर्वरक भंडार 199.65 लाख टन रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 178.58 लाख टन से अधिक है। खरीफ 2026 के लिए कुल आवश्यकता 390.54 लाख टन आंकी गई है, जिसके मुकाबले मौजूदा भंडार 51 % से अधिक है।

बैठक में उद्योग और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) क्षेत्र को राहत देने के उपायों की जानकारी भी दी गई। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 5 मई को आपातकालीन ऋण गारंटी योजना के नए चरण को मंजूरी दी है। इसके तहत 2.55 लाख करोड़ रुपए के अतिरिक्त ऋण प्रवाह का लक्ष्य रखा गया है। योजना में एमएसएमई के लिए 100% और अन्य उद्योगों व विमानन क्षेत्र के लिए 90 % तक ऋण गारंटी का प्रावधान किया गया है। (इनपुट– आईएएनएस)

परिपत्र

यह सामान्य जन की जानकारी हेतु सूचित किया जाता है कि चाथम स्थित सरकारी आरा मिल में मांग–पत्रों, आरी से कटी लकड़ी तथा गोल लठ्ठों के प्रबंधन के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का मसौदा तैयार कर लिया गया है तथा इसे टिप्पणियों एवं सुझावों के लिए सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जा रहा है।

प्रस्तावित एसओपी का उद्देश्य मांग–पत्रों के निस्तारण, आरा संचालन की प्रक्रिया तथा लकड़ी एवं गोल लठ्ठों के भंडारण एवं निपटान के लिए एक पारदर्शी, दक्ष एवं सुव्यवस्थित प्रणाली स्थापित करना है।

विस्तृत मसौदा दस्तावेज सरकारी आरा मिल, चाथम की आधिकारिक वेबसाइट (https://gsmchatham.andamannicobar.gov.in) तथा पर्यावरण एवं वन विभाग की आधिकारिक वेबसाइट (https://forest.and.nic.in) पर उपलब्ध है।

सभी इच्छुक व्यक्ति/हितधारक/आवेदक गण से अनुरोध है कि वे उक्त वेबसाइटों का अवलोकन कर मसौदा दिशा निर्देशों, उपयोगकर्ता मार्गदर्शिका एवं प्रक्रियाओं से अवगत हों तथा अपने बहुमूल्य सुझाव एवं टिप्पणियाँ, यदि कोई हों, प्रस्तुत करें।

टिप्पणियाँ एवं सुझाव दिनांक 17 मई, 2026 तक ईमेल के माध्यम से frychatham052@gmail.com पर प्रेषित किए जा सकते हैं।

निर्धारित अवधि के भीतर प्राप्त सभी सुझावों एवं टिप्पणियों पर समुचित विचार किया जाएगा, जिसके उपरांत एसओपी को अंतिम रूप देकर पृथक रूप से अधिसूचित किया जाएगा।

प्रशासनिक अधिकारी
मिल प्रभाग, चाथम

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, शोल बे की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/जीईएन/2026–27/22

1. शोल बे, ग्राम पंचायत के अंर्तगत सिल्वीकल्चर वार्ड न. 07 में मुख्य सड़क से स्वर्गीय बिनु बागे के घर होते हुए बरधन के घर तक सी सी फुटपाथ का निर्माण कार्य।

2. शोल बे, ग्राम पंचायत के अंर्तगत सिल्वीकल्चर वार्ड न. 07 में मुख्य सड़क से कृष्णा के तक चिन्नैया के होते हुए सी सी फुटपाथ का निर्माण कार्य। जिसमें बॉक्स कल्वर्ट भी शामिल हैं।

अनुमानित लागत : रु. 6,80,777/–, धरोहर राशि : रु. 13,616/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (04) चार माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 18/05/2026 के सायं 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_22970_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, कन्यापुरम की ओर से, निम्नलिखित कार्यो के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/आर आर(सीसीए)/2026–27/32

कार्य का नाम : कन्यापुरम, ग्राम पंचायत के अंर्तगत वार्ड न. के.पी. 01 क्षेत्राधिकार में सी. मोहम्मद के घर से एन. मोहम्मद के घर तक ड्रेन सहित ब्लैक टॉप रोड का नवीनीकरण, जिसमें बिटुमिनस रोड के दोनों ओर सी सी कंक्रीट का कार्य शामिल हैं।

अनुमानित लागत : रु. 11,41,763/–, धरोहर राशि : रु. 22,835/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (03) तीन माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 20/05/2026 के सायं 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_22980_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

पोखरण की तपती रेत से लेकर एआई तक...भारत ने हासिल की जादुई तकनीकी उड़ान

नई दिल्ली, 11 मई।

यह बात 11 मई 1998 की है। आसमान से अमेरिकी खुफिया सैटेलाइट्स भारत के चप्पे–चप्पे पर अपनी पैनी नजरें गड़ाए हुए थे। उन्हें चकमा देना नामुमकिन सा लग रहा था। लेकिन, फिर भी, वे धोखा खा गए। अचानक जमीन कांपी और दुनिया भर के सिस्मोग्राफ ने एक ऐसी हलचल दर्ज की, जिसने भारत का भू–राजनीतिक इतिहास हमेशा के लिए बदल दिया।

यह भारत का सफल भूमिगत परमाणु परीक्षण 'ऑपरेशन शक्ति' था। उसी दिन हमारे वैज्ञानिकों ने आसमान में स्वदेशी विमान हंसा–3 को सफलतापूर्वक उड़ाकर और अचूक त्रिशूल मिसाइल का परीक्षण करके सबको हैरत में डाल दिया। भारत ने एक ही दिन में परमाणु, उड्डयन, और रक्षा क्षेत्र में अपना लोहा मनवा लिया था। हमारी इस अदम्य वैज्ञानिक इच्छाशक्ति को सलाम करते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस घोषित किया।

आज तकनीक कल्याण का दूसरा नाम बन गई है। किसी सुदूर गांव का किसान आज ई–चौपाल के जरिए अपने फोन पर अपनी फसल का सही दाम और मौसम की सटीक जानकारी ले रहा है। स्टेम ऑन व्हील्स जैसी शानदार पहलों ने मोबाइल क्लीनिक को सीधे गांवों में पहुंचा दिया है, जहां बैठा एक गरीब मरीज शहरों के बड़े डॉक्टरों से वीडियो कॉल पर अपना इलाज करवा रहा है। आंगनवाड़ी में काम करने वाली महिलाएं पोषण ट्रैकर ऐप से बच्चों को कुपोषण से बचा रही हैं। ये है असली भारत की असली तकनीकी क्रांति, जहां इनोवेशन जमीनी हकीकत को बदल रहा है।

अगर आप जानना चाहते हैं कि आज दुनिया भारत को किस नजर से देखती है, तो फरवरी 2026 में नई दिल्ली के भारत मंडपम में हुए इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट को याद कीजिए। 15 से ज्यादा देशों के राष्ट्राध्यक्ष और 70 हजार से अधिक लोगों का हुजूम इस बात का गवाह बना कि अब भारत तकनीक के मामले में दुनिया के पीछे नहीं चलता, बल्कि दुनिया को रास्ता दिखाता है।

ये सब कोई जादू नहीं है। इसके पीछे उन गुमनाम वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, युवा छात्रों और स्टार्टअप्स की सालों की तपस्या है, जो लैब के बंद कमरों में देश का कल लिख रहे हैं। इन प्रतिभाओं को पंख देने का काम भारत सरकार का श्प्रौद्योगिकी विकास बोर्डश (टीडीबी) करता है।

हर साल इसी दिन टीडीबी ऐसे स्टार्टअप्स और एमएसएमई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी पुरस्कार और राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार से नवाजता है, जिन्होंने कागजी रिसर्च को असली बाजार में उतारा हो। चाहे वो रोटावैक जैसी सस्ती स्वदेशी वैक्सीन बनाने वाली कंपनी हो या फिर ग्रामीण शिक्षा को बदलने वाले एडटेक स्टार्टअप्स।

सरकार इन इन्नोवेटर्स को लाखों–करोड़ों की वित्तीय मदद देकर उनके सपनों को उड़ान दे रही है। इसके साथ ही दिल्ली यूनिवर्सिटी से लेकर शारदा यूनिवर्सिटी तक, हर जगह छात्रों के लिए हैकथॉन और रोबो रेस हो रहे हैं, ताकि नई पीढ़ी के दिमाग को इनोवेशन के लिए तैयार किया जा सके।

आज जब हम 2026 के आगे देखते हैं, तो हमारी नजरें डीप–टेक, क्वांटम मिशन और खुद का सेमीकंडक्टर हब बनाने पर टिकी हैं। आज भारत पेटेंट फाइल करने में दुनिया के शीर्ष देशों को टक्कर दे रहा है।

11 मई का दिन हमें बस एक ही बात याद दिलाता है। 1998 में हमने दुनिया को अपनी ताकत का एहसास कराया था, और आज 2026 में हम दुनिया को एक सुरक्षित और समावेशी भविष्य का रास्ता दिखा रहे हैं।

आईसीसी वनडे रैंकिंग, वार्षिक पुरुष वनडे रैंकिंग में भारत नंबर–1

नई दिल्ली, 11 मई।

आईसीसी ने सोमवार को पुरुषों की ताजा वनडे रैंकिंग जारी की है, जिसमें भारत 'नंबर–1' बना हुआ है। हालांकि, शीर्ष पर उसकी बढ़त जरूर कम हो गई है। दूसरी ओर, पाकिस्तान एक पायदान नीचे खिसक गया है।

ताजा रैंकिंग में भारत की रेटिंग 119 से गिरकर 118 हो गई है। वहीं, न्यूजीलैंड को दो अंक मिले हैं। यह टीम 113 रेटिंग के साथ दूसरे पायदान पर है। अब शीर्ष–2 टीमों के बीच अंतर 8 से घटकर 5 ही रह गया है। मौजूदा वनडे वर्ल्ड कप चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की रेटिंग (109) में कोई बदलाव नहीं हुआ है। यह टीम फिलहाल तीसरे पायदान पर बनी हुई है। इस बीच टॉप–5 में बदलाव देखने को मिला है। साउथ अफ्रीका एक पायदान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गया है।

साउथ अफ्रीका को चार रेटिंग अंक मिले हैं। अब इस टीम के पास 102 अंक हैं, जबकि पाकिस्तान ने चार अंक गंवा दिए हैं। यह देश 98 अंकों के साथ रैंकिंग में पांचवें स्थान पर खिसक गया है। दो अंक गंवाने के बावजूद श्रीलंका छठे स्थान पर बना रहा। इस टीम के 96 अंक हैं, जबकि अफगानिस्तान मामूली गिरावट के बाद 93 अंकों के साथ सातवें स्थान पर बना रहा। इंग्लैंड एक रेटिंग अंक हासिल करने के बाद आठवें स्थान पर बना रहा, जबकि बांग्लादेश 84 अंकों के साथ नौवें स्थान पर कायम रहा।

'ऑपरेशन सिंदूर' की याद में सैनिकों ने नई दिल्ली में लगातार लगाई 88 घंटे दौड़

नई दिल्ली, 11 मई।

पिछले साल पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के आतंकी अड्डों को तबाह करने के लिए शुरू किए गए श्ऑपरेशन सिंदूरश की पहली सालगिरह पर भारतीय वायु सेना ने नई दिल्ली में 88 घंटे लगातार दौड़ का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में भारतीय वायु सेना और भारतीय सेना की सभी कमानों से कुल 600 धावकों ने भाग लिया।

इस दौड़ को 7 मई को सुबह 1.05 बजे एयर ऑफिसर इन चार्ज एडमिनिस्ट्रेशन (एओए) ने इंडिया गेट से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और इसका समापन 10 मई को शाम 5.00 बजे एयर फोर्स स्टेशन नई दिल्ली में वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने किया। यह दौड़ 88 घंटे तक चलने वाली निरंतर रिले प्रारूप में आयोजित की गई थी, जिसमें असैनिक अधिकारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नागरिक स्वयंसेवकों ने भी दौड़ में पूरे जोश के साथ भाग लिया। वायु सेना के बैंड ने भी 10 मई को नेहरू पार्क में सुबह 6.30 से सुबह 8.00 बजे तक लाइव प्रस्तुति दी।

इसका रूट दिल्ली के महत्वपूर्ण स्थलों से होकर गुजरा, जिनमें इंडिया गेट, ब्रिगेडियर होशियार सिंह मार्ग, वायु सेना मुख्यालय वायु भवन, नेहरू पार्क और न्यू मोती बाग रोड शामिल हैं। इस दौड़ का उद्देश्य भारतीय वायु सेना के कर्मियों के बीच एकजुटता की भावना को बढ़ावा देना और साथ ही भारतीय रक्षा बलों की आम लोगों तक पहुंच और उपस्थिति को बढ़ाना था। ऑपरेशन सिंदूर यादगार शृंखला दौड़ का सफल आयोजन न केवल भारतीय वायु सेना के संचालन के इतिहास के महत्वपूर्ण उपलब्धि है, बल्कि आम लोगों की भागीदारी के माध्यम से हासिल की गई उत्कृष्ट टीम वर्क का भी प्रमाण है।

पोषण युक्त आहार से एनीमिया पर वार, हेल्थ एक्सपर्ट से जानें किन चीजों का सेवन फायदेमंद

नई दिल्ली, 11 मई।

एनीमिया आजकल आम समस्या बनती जा रही है, खासकर महिलाओं और बच्चों में। थकान, कमजोरी, चिड़चिड़ापन, ध्यान केंद्रित न कर पाना और चेहरे का रंग फीका पड़ना, ये सभी लक्षण आयरन और विटामिन की कमी के कारण होते हैं। सही और पोषण युक्त आहार अपनाकर एनीमिया पर आसानी से नियंत्रण पाया जा सकता है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अनुसार, नियमित रूप से संतुलित और पौष्टिक आहार लेने से शरीर में आयरन, विटामिन और अन्य जरूरी पोषक तत्वों की कमी नहीं होती। इससे न सिर्फ एनीमिया से बचाव होता है, बल्कि पूरे परिवार की सेहत भी बेहतर रहती है।

एनएचएम का कहना है कि एनीमिया से बचाव का सबसे सस्ता और प्रभावी तरीका है– संतुलित आहार। बाजार के सप्लीमेंट्स की बजाय प्राकृतिक खाद्य पदार्थों को अपनी डाइट में प्राथमिकता दें। स्वास्थ्य विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि खाने में विविधता रखें और मौसमी फल–सब्जियों का इस्तेमाल करें। महिलाओं, गर्भवती माताओं और बढ़ते बच्चों को खास ध्यान देने की जरूरत है।

अब सवाल है कि एनीमिया से बचने के लिए क्या खाएं? हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक अपनी रोज की थाली में हरी सब्जियों, प्रोटीन युक्त आहार, फल, दूध, पनीर और ड्राई फ्रूट्स जैसी पोषक तत्वों से भरपूर चीजों को जरूर शामिल करें–

हरी सब्जियां– पालक, सरसों का साग, मेथी, बथुआ आदि आयरन से भरपूर होती हैं। इन्हें नियमित रूप से खाने से

खून की कमी दूर होती है। इन्हें हल्का पकाकर या सलाद के रूप में लिया जा सकता है।

प्रोटीन युक्त आहार– दालें, सोयाबीन आदि शरीर को एनर्जी देते हैं और हीमोग्लोबिन बढ़ाने में मदद करते हैं। शाकाहारी लोग दाल–चावल के साथ छोले या राजमा भी खा सकते हैं।

फल– केला, खजूर, पपीता, संतरा और अनार जैसे फल विटामिन सी और आयरन से भरपूर होते हैं। विटामिन सी आयरन के अवशोषण में मदद करता है, इसलिए फल और सब्जियों को साथ में खाना फायदेमंद है।

नट्स और बीज– अलसी के बीज, कद्दू के बीज और अखरोट मैग्नीशियम और अन्य मिनरल्स प्रदान करते हैं। मुट्ठी भर नट्स रोजाना सेहत के लिए बहुत अच्छे हैं।

दुग्ध उत्पाद– दूध, दही और पनीर कैल्शियम और प्रोटीन के अच्छे स्रोत हैं। ये हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत बनाते हैं।–आईएएनएस

इतिहास के पन्नों में 12 मईः जब चीन में आए विनाशकारी भूकंप ने छीन ली थीं हजारों जिंदगियां

नई दिल्ली, 11 मई।

देश–दुनिया के इतिहास में 12 मई की तारीख कई अहम घटनाओं के लिए दर्ज है, लेकिन वर्ष 2008 में इसी दिन चीन में आया विनाशकारी भूकंप आधुनिक इतिहास की सबसे भयावह प्राकृतिक आपदाओं में गिना जाता है। कुछ ही सेकंड के भीतर धरती की तेज कंपन ने लाखों लोगों की जिंदगी बदल दी थी।

12 मई 2008 को चीन के सिचुआन प्रांत में आए भीषण भूकंप ने भारी तबाही मचाई। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता लगभग 7.9 मापी गई थी। इस भूकंप में करीब 87 हजार लोगों की मौत हो गई, जबकि हजारों लोग लापता हो गए थे। इसके अलावा करीब चार लाख लोग घायल हुए और लाखों नागरिक बेघर हो गए।

भूकंप का असर इतना व्यापक था कि कई शहर और गांव पूरी तरह तबाह हो गए। हजारों इमारतें, स्कूल, अस्पताल और सड़कें पलभर में मलबे में बदल गईं। बचाव दलों को दुर्गम इलाकों तक पहुंचने में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर लोगों ने अपने परिजनों को मलबे के नीचे खो दिया।

इस प्राकृतिक आपदा के बाद चीन सरकार ने बड़े पैमाने पर राहत और बचाव अभियान चलाया। सेना, मेडिकल टीमों और हजारों स्वयंसेवकों को प्रभावित इलाकों में भेजा गया। दुनियाभर के कई देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने भी चीन को राहत सामग्री और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई। विशेषज्ञों के अनुसार, यह भूकंप इतिहास के सबसे विनाशकारी भूकंपों में से एक माना जाता है। इससे हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई में चीन को कई वर्षों का समय लगा। इस त्रासदी ने दुनिया को यह भी याद दिलाया कि प्राकृतिक आपदाओं के सामने मानव जीवन कितना असुरक्षित हो सकता है। आज भी 12 मई का दिन चीन में उन हजारों लोगों की याद में भावुक कर देता है, जिन्होंने इस भयावह आपदा में अपनी जान गंवाई थी।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र– 1459– राव जोधा ने जोधपुर की स्थापना की।

1666– पुरंदर की संधि के तहत छत्रपति शिवाजी महाराज औरंगजेब से मिलने आगरा पहुंचे।

1847 – विलियम क्लेटन ने ओडोमीटर का आविष्कार किया।

1915– क्रांतिकारी रासबिहारी बोस ने जापानी नौका सानुकी मारू पर सवार होकर भारत छोड़ा।

2002– मिस्र, सीरिया व सऊदी अरब ने पश्चिम एशिया मामले में शांति समझौते की इच्छा जताई।

2008 – जजों की बहाली के मुद्दे को लेकर कोई समझौता न होने के कारण पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने साझा सरकार से हटने का निर्णय लिया।

2010 – बिहार के चर्चित बथानी टोला नरसंहार मामले में भोजपुर के प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय कुमार श्रीवास्तव ने तीन दोषियों को फाँसी तथा 20 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

2010 – लीबिया में त्रिपोली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट अफ्रीकिया एयरवेज का विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार 104 लोगों में से 103 लोगों की मौत।

एक जुलाई से लागू होगा 'वीबी–जी राम जी' अधिनियम, मिलेगी 125 दिन रोजगार की गारंटी

नई दिल्ली, 11 मई।

केंद्र सरकार ने ग्रामीण विकास एवं रोजगार को नई दिशा देने के उद्देश्य से 'विकसित भारतदृगारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)' यानी वीबी–जी राम जी अधिनियम–2025 के क्रियान्वयन की अधिसूचना जारी कर दी। यह नया कानून एक जुलाई 2026 से देशभर के ग्रामीण क्षेत्रों में लागू होगा और इसके साथ ही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा)–2005 निरस्त माना जाएगा।

सरकार के मुताबिक इस योजना के तहत एक जुलाई से ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार चाहने वाले लोगों को अब साल में 100 नहीं बल्कि 125 दिन का रोजगार दिया जाएगा। इस बीच के समय में मनरेगा के सारे प्रावधान लागू रहेंगे और अधूरे काम एक जुलाई के पहले तक मनरेगा के अंतर्गत ही पूरे किए जाएंगे।

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने एक बयान में कहा कि यह कानून ग्रामीण गरीब, श्रमिक परिवारों, महिलाओं, स्वयं सहायता समूहों और किसानों के जीवन में नई आशा, अधिक आय सुरक्षा और गांवों में बड़े पैमाने पर टिकाऊ विकास कार्यों का मार्ग खोलेगा। राज्यों से व्यापक स्तर पर सलाह–मशविरा कर नियम बनाने की प्रक्रिया जारी है, लेकिन सरकार की चिंता यह है कि ट्रांजिशन पीरियड में कोई भी मजदूर भाई–बहन रोजगार से वंचित न हो और इसकी संपूर्ण व्यवस्था कर दी गई है।

श्री चौहान ने कहा कि वीबी–जी राम जी अधिनियम के अंतर्गत अधिकांश राज्यों को अपेक्षित तैयारी के लिए अधिकतम छह माह का समय रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया

कि यदि एक जुलाई तक कोई राज्य अपेक्षित तैयारी नहीं कर पाया, तो एक जुलाई के बाद कामों का फंडिंग पैटर्न विकसित भारत जी–राम जी योजना के अंतर्गत होगा।

योजना के तहत रोजगार देने के लिए सरकार ने अपने बजट में 95,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का प्रावधान किया है। राज्यों ने भी अपने–अपने बजट में इसे लागू करने के लिए प्रावधान किया है और केंद्र एवं राज्यों की कुल राशि 1,51,000 करोड़ रु. से अधिक होगी।

उन्होंने कहा कि मजदूरों को भुगतान सीधे डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक या डाकघर के खातों में किया जाएगा। कोशिश होगी कि तीन दिन के अंदर भुगतान हो, लेकिन अधिकतम 15 दिन के भीतर प्रक्रियाएं पूरी कर उनके खाते में पैसा पहुंच जाए। उन्होंने कहा कि 15 दिन के भीतर पैसा नहीं आने पर मजदूर भाई–बहन विलंबित भुगतान के पात्र होंगे और देरी से भुगतान करने पर अतिरिक्त राशि देनी पड़ेगी। मांगने पर यदि रोजगार नहीं मिला, तो बेरोजगारी भत्ता भी देना पड़ेगा।

पहले आईबीसीए सम्मेलन का प्रधानमंत्री करेंगे उद्घाटन, 95 देशों के प्रतिनिधि होंगे शामिल

नई दिल्ली, 11 मई।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भारत की पहल पर गठित इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस (आईबीसीए) के पहले वैश्विक सम्मेलन का एक जून को उद्घाटन करेंगे। भारत मंडपम में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन की थीम "विशालकाय बिल्लयों को बचाओं, पारिस्थितिकी तंत्र को बचाओ, मानवता को बचाओ है। इसमें दुनिया भर के 95 देशों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

इस दौरान बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जगुआर और प्यूमा सहित सात विशालकाय बिल्ली प्रजातियों के संरक्षण और उनके प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा पर चर्चा होगी। आईबीसीए के महानिदेशक डॉ. एसपी यादव ने यहां सोमवार को पत्रकारों को बताया कि सम्मेलन में विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख बिग कैट संरक्षण को लेकर अपने अनुभव और रणनीतियां साझा करेंगे।

इस दौरान विशालकाय बिल्लियों के संरक्षण के लिए दिल्ली के घोषणापत्र को भी अपनाया जाएगा। यह विशालकाय बिल्ली प्रजातियों के संरक्षण की दिशा में अहम वैश्विक दस्तावेज माना जा रहा है। एक और दो जून को ताज पैलेस में तकनीकी सत्र आयोजित होंगे। इनमें 400 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ, नीति निर्माता, वैज्ञानिक, वित्तीय संस्थानों और कॉर्पोरेट जगत के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

सम्मेलन के दौरान एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जिसमें जनजातीय कला, बिग कैट्स पर आधारित पेंटिंग्स, फोटोग्राफी, फिल्में और वर्चुअल रियलिटी अनुभव प्रदर्शित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि विशालकाय बिल्ली प्रजातियां पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती हैं। इनके आवास कार्बन सिंक के रूप में जलवायु परिवर्तन से लड़ने में मदद करते हैं और जलस्रोतों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करते हैं।

उल्लेखनीय है कि आईबीसीए की शुरुआत अप्रैल 2023 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने की थी। मार्च 2024 में केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद इसका औपचारिक गठन हुआ और फरवरी 2025 से यह पूरी तरह सक्रिय हो गया। भारत सरकार ने इसके लिए पांच वर्षों में लगभग 18 मिलियन अमेरिकी डॉलर की वित्तीय सहायता देने का फैसला किया है।

राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान को बनाएंगे 'ग्लोबल टेक्नोलॉजी लीडर–केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री

नई दिल्ली, 11 मई।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सोमवार को विश्वास व्यक्त किया कि देश के राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों का योगदान भारत को "ग्लोबल टेक्नोलॉजी लीडर" बनाने में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक वीडियो संदेश में कहा कि 'विज्ञान–टेक' कार्यक्रम भविष्य में सहयोग आधारित अनुसंधान और नवाचार का एक आदर्श मॉडल बनेगा। यह कार्यक्रम इस बात का उदाहरण प्रस्तुत करेगा कि सार्वजनिक अनुसंधान किस प्रकार वास्तविक दुनिया में व्यापक और सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक तकनीकी साख लगातार मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि आज भारत विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में तेजी से नए आयाम स्थापित कर रहा है। जेनेटिक कोड की डिकोडिंग से लेकर अंतरिक्ष अनुसंधान तक भारत की उपलब्धियां विश्व स्तर पर पहचान बना रही हैं।

उन्होंने कहा कि तकनीक अब केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह आम लोगों के जीवन को भी सीधे प्रभावित कर रही है। गहरे समुद्र में रोबोटिक्स तकनीक, सुनामी चेतावनी प्रणाली और आपदा प्रबंधन तंत्र जैसे नवाचार देश को अधिक सुरक्षित और आपदा–सक्षम बना रहे हैं। इसके अलावा जैव–फोर्टिफाइड फसलों, स्वच्छ

ऊर्जा और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत तेजी से प्रगति कर रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित 'विज्ञान–टेक' कार्यक्रम इस वर्ष विशेष आकर्षण का केंद्र है। इस कार्यक्रम में 14 मंत्रालय और विभाग एक ही मंच पर अपने अनुसंधान संस्थानों के साथ स्वदेशी तकनीकों का प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम में लैब–टू–मार्केट सफलता की कहानियों और मजबूत नवाचार इकोसिस्टम को भी प्रदर्शित किया जाएगा।

इस अवसर पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि 11 मई भारत के इतिहास का एक गौरवशाली दिन है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में वर्ष 1998 में हुए पोखरण परमाणु परीक्षण ने भारत को आत्मविश्वासी और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में स्थापित किया।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने आईआईटी बॉम्बे में एकीकृत कार्बन कैप्चर और उपयोग संयंत्र का उद्घाटन किया

नई दिल्ली, 11 मई।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने आज भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान– आईआईटी बॉम्बे में एकीकृत कार्बन कैप्चर और उपयोग संयंत्र का उद्घाटन किया। उन्होंने भूवैज्ञानिक कार्बन डाइऑक्साइड पृथक्करण के लिए वैज्ञानिक ड्रिलिंग का भी शुभारंभ किया। संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने इस गंभीर वैश्विक समस्या का समाधान विकसित करने के लिए आईआईटी बॉम्बे को बधाई दी और घोषणा की कि इस परियोजना को अगले महीने फ्रांस में होने वाले भारत इनोवेट्स 2026 में प्रस्तुत किया जाएगा।

श्री प्रधान ने कहा कि अतीत में कार्बन कैप्चर के कई सफल प्रयोग हुए हैं, जिनमें कार्बन पृथक्करण के माध्यम से कार्बन का भंडारण किया गया था, लेकिन मूल्यवर्धन जैसी प्रमुख चुनौती को दूर कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के माध्यम से कार्बन डाइऑक्साइड से कैल्शियम कार्बोनेट नामक एक उप–उत्पाद का उत्पादन होगा। इसका उपयोग चूने के विकल्प के रूप में इस्पात, पेंट, सीमेंट और आवास जैसे उद्योगों में किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि परियोजना को आने वाले दिनों में व्यावसायिक रूप से शुरू किया जाएगा।

इस अवसर पर आईआईटी बॉम्बे में भारत की पहली

संपूर्ण कार्बन कैप्चर, यूटिलाइजेशन और स्टोरेज फील्ड प्रयोगशाला पायलट परियोजना का शुभारंभ भी हुआ। इसमें स्वदेशी रूप से विकसित कार्बन कैप्चर एंड यूटिलाइजेशन संयंत्र को दक्कन बेसाल्ट संरचनाओं में गहरे भंडारण के लिए जियोलॉजिकल कार्बन–डाई–ऑक्साइड सीक्वेस्ट्रेशन के साथ एकीकृत किया गया है। यह पहल आईआईटी बॉम्बे द्वारा पेटेंट की गई लागत प्रभावी जलीय कार्बन–डाई–ऑक्साइड कैप्चर तकनीक का उपयोग करके एक आत्मनिर्भर, बंद–लूप कार्बन न्यूनीकरण दृष्टिकोण को प्रदर्शित करती है। यह गैर–पेयजल का उपयोग करके परिवेशी वायु और औद्योगिक स्रोतों से उत्सर्जन को पकड़ने में सक्षम है।

नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापित क्षमता में भारत विश्व में तीसरे स्थान पर

नई दिल्ली, 11 मई।

भारत विश्व में नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापित क्षमता में तीसरे स्थान पर है। मॉर्गन स्टेनली की नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत का नवीकरणीय ऊर्जा परिवर्तन बाहरी निर्भरता को कम करने में सहायक होगा, लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि देश में सौर सेल, वेफर और पॉलीसिलिकॉन जैसे महत्वपूर्ण घटकों का स्थानीय स्तर पर उत्पादन कितनी तेजी से होता है।

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, घरेलू सौर मॉड्यूल क्षमता मार्च 2024 में 38 गीगावाट से बढ़कर मार्च 2025 में 74 गीगावाट हो गई।

सौर सेल क्षमता भी 9 गीगावाट से बढ़कर 25 गीगावाट हो गई है।

हालांकि, रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत अब भी प्रमुख घटकों के लिए काफी हद तक आयात पर निर्भर है।

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवसः आज नर्सों को सशक्त बनाना, एक स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करना जरूरी

नई दिल्ली, 11 मई।

12 मई को हर साल दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस मनाया जाता है। यह दिन न केवल नर्सों के अद्भुत योगदान को मान्यता देने के लिए है, बल्कि यह आधुनिक नर्सिंग के संगठित और पेशेवर स्वरूप की शुरुआत करने वाली महान महिला फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस हमें यह याद दिलाता है कि नर्सिंग केवल पेशा नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और मानवता का प्रतीक है। इस दिन नर्सों को सम्मान देना और उनके योगदान को स्वीकार करना बेहद जरूरी है।

यह दिन आधुनिक नर्सिंग की जननी फ्लोरेंस नाइटिंगेल की याद में चुना गया है। उनका जन्म 12 मई, 1820 को हुआ था। उन्होंने नर्सिंग को एक पेशा ही नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक आधार और सम्मानजनक दर्जा दिलाने में अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया।

अस्पतालों में डॉक्टर इलाज की योजना बनाते हैं, लेकिन उस योजना को 24 घंटे लागू करना और मरीज की हर छोटी–बड़ी जरूरत का ख्याल रखना नर्सों का काम होता है। उनकी कड़ी मेहनत, धैर्य और सेवा भाव को सराहने के लिए यह दिन मनाया जाता है।

इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्स 1965 से इस दिन को मना रहा है। हर साल इस दिन के लिए एक विशेष श्थीमश् रखी जाती है, जो नर्सों के सामने आने वाली चुनौतियों और स्वास्थ्य प्रणाली में सुधारों पर केंद्रित होती है।

अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस का उद्देश्य नर्सों की मेहनत, समर्पण और मरीजों के प्रति उनकी निष्ठा को समाज के

सामने लाना है। नर्सिंग केवल पेशा नहीं, बल्कि मानव सेवा और जीवन बचाने की मिशाल है। इस दिन अस्पतालों और नर्सिंग संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, इस अवसर पर दुनिया भर में उत्कृष्ट सेवा देने वाली नर्सों को सम्मानित किया जाता है और नए नर्सिंग पेशेवरों को प्रेरित किया जाता है।। भारत में भी राष्ट्रपति द्वारा श्नेशनल फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कारश प्रदान किए जाते हैं, जो नर्सिंग के क्षेत्र में दिया जाने वाला सबसे बड़ा सम्मान है।

इस बार 12 मई 2026 को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस की थीम 'हमारी नर्सें। हमारा भविष्य। सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं।' (Our Nurses- Our Future- Empowered Nurses Save Lives) तय की गई है। जिसका अर्थ स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने हेतु नर्सों को सम्मान और अधिकार तथा बेहतर उपकरण देने पर जोर देती है।

'नर्सें स्वास्थ्य सेवा की रीढ़ होती हैं। यदि डॉक्टर किसी बीमारी का इलाज करते हैं, तो नर्सें उस व्यक्ति का इलाज करती हैं जो उस बीमारी से जूझ रहा है।'

90s Nostalgia:स्कूल के बाहर मिलने वाली वो 8 चीजें, जिन्हें देख आपका दिल भी कहेगा–'काश वो दिन लौट आएं'

नई दिल्ली, 11 मई।

स्कूल की वो आखिरी घंटी बजते ही बैग उठा कर गेट की तरफ भागना, याद है आपको? 90 के दशक का वो बचपन आज के स्मार्टफोन्स और वीडियो गेम्स वाले बचपन से बिल्कुल अलग था। उस वक्त हमारे लिए सबसे बड़ी खुशी हमारी जेब में पड़े वो 1–2 रुपये के सिक्के हुआ करते थे, जिन्हें हम आधी छुट्टी या स्कूल की छुट्टी के लिए बचा कर रखते थे।स्कूल के बाहर खड़े उन छोटे–छोटे ठेलों पर मानो दुनिया भर की खुशियां बिकती थीं।

चूरन की पुड़िया–काले और लाल रंग का वो खट्टा–मीठा चूरन, जिसे एक छोटी–सी प्लास्टिक की पुड़िया में दिया जाता था। इसे खाने का असली मजा तो उंगली से चाट–चाट कर खत्म करने में ही था। इतना ही नहीं, इसे खाने के बाद दोस्तों को अपनी रंग–बिरंगी जीभ दिखाना भी हमारा सबसे पसंदीदा काम हुआ करता था।

रंगीन बर्फ का गोला–गर्मियों के दिनों में स्कूल के बाहर बर्फ के गोले वाले भइया का इंतजार हम सब करते थे। काला–खट्टा, रोज, या ऑरेंज लेवर... बर्फ को घिसकर उस पर रंगीन मीठा सिरप डालकर जब वो हमें देते थे, तो सारी थकान दूर हो जाती थी। इसे चूसते–चूसते घर जाना एक अलग ही एहसास था।

2 रुपये वाली रंगीन 'पेप्सी'–यह आज की असली पेप्सी नहीं, बल्कि एक लंबी–सी प्लास्टिक की नली में जमी हुई मीठी बर्फ होती थी। लाल, पीले और नारंगी रंग में मिलने वाली इस 1 या 2 रुपये की 'पेप्सी' को दांतों से फाड़कर पीने में जो आनंद आता था, वो आज की महंगी कोल्ड ड्रिंक्स में भला कहां मिल सकता है।

संतरे की फांक वाली टॉफी–संतरे के आकार और स्वाद वाली वो संतरी टॉफियां। एक रुपये में 4 या कभी–कभी 8 टॉफियां मिल जाया करती थीं। दोस्तों के साथ इसे बांटकर खाना और फिर देर तक उसके मीठे स्वाद का मजा लेना 90 के हर बच्चे की खास याद है।

मसाले वाली खट्टी–मीठी इमली–स्कूल गेट के ठीक बाहर

इमली और बेर बेचने वाले अंकल हमेशा खड़े रहते थे। कागज की कोन में इमली डालकर, उसके ऊपर खूब सारा लाल मसाला और नमक छिड़क कर जब वो देते थे, तो मुंह में पानी आ जाता था। आज भी इसके बारे में सोचकर जीभ चटकारे लेने लगती है।

बुढ़िया के बाल–गुलाबी रंग का वो मीठा–सा बादल, जिसे हम 'बुढ़िया के बाल' कहते थे। इसे देखते ही हम जिद पर अड़ जाते थे। यह मुंह में रखते ही घुल जाता था और पीछे छोड़ जाता था सिर्फ मिठास और गुलाबी होंठ।

फैंटम सिगरेट–90 के दशक में कूल दिखने का ये सबसे आसान तरीका था। सफेद और लाल रंग की ये पेपरमिंट वाली मीठी टॉफी बिल्कुल सिगरेट जैसी दिखती थी। इसे उंगलियों के बीच फंसाकर हम ऐसे चलते थे जैसे हम भी बड़े हो गए हों।

गटागट और आम पाचक–काले और भूरे रंग की ये छोटी–छोटी गोलियां वैसे तो हाजमे के लिए होती थीं, लेकिन हमारे लिए ये किसी स्वादिष्ट टॉफी से कम नहीं थीं। खट्टी–मीठी और थोड़ी तीखी इन गोलियों को हम मुट्ठी भर कर खाते थे।

आज हम भले ही कितने भी बड़े हो गए हों और बड़े–बड़े कैफे में जाकर पिज्जा–बर्गर खा लें, लेकिन स्कूल के गेट पर दोस्तों के साथ खड़े होकर उन 1–2 रुपये की चीजों को खाने का जो मजा था, वो आज लाखों रुपये खर्च करके भी नहीं मिल सकता। बचपन की वो मासूमियत और वो छोटी–छोटी खुशियां वाकई बहुत अनमोल थीं।

आईसीएमआर ने उद्योग जगत को सौंपीं तीन स्वदेशी मेडिकल तकनीकें

नई दिल्ली, 11 मई।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर आयोजित 'विज्ञानदृटेक' कार्यक्रम में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने अपनी तीन स्वदेशी मेडिकल तकनीकों का उद्योग जगत को हस्तांतरण किया। इनमें प्रोस्टेट बायोप्सी गाइडेंस के लिए किफायती पीएसपी94 एलीसा तकनीक, रक्त जमाव विकार की जांच के लिए प्वाइंट ऑफ केयर डायग्नोस्टिक तकनीक और डेंगू, चिकनगुनिया तथा जीका वायरस की पहचान के लिए सिंगल ट्यूब मल्टीप्लेक्स आरटी–पीसीआर तकनीक शामिल हैं।

इन तकनीकों को क्रमशः क्रिशजेन लैब प्रा.लि., मेरिल लाइफ साइंस और वैनगार्ड लाइफ साइंस को लाइसेंस किया गया। ब्रिक–नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी में आयोजित कार्यक्रम में देश के 14 वैज्ञानिक, मंत्रालयों और विभागों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम 2014 में मात्र 350–400 स्टार्टअप से बढ़कर आज दो लाख से अधिक हो गया है, जिससे भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन गया है। भारत की ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स रैंकिंग 80 से सुधरकर 38 हो गई है, जबकि देश आज पेटेंट के मामले में विश्व स्तर पर छठे स्थान पर है, जहां एक लाख से अधिक पेटेंट दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 55 प्रतिशत से अधिक भारतीय नागरिकों द्वारा दर्ज किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि भारत वैज्ञानिक प्रकाशनों और नवाचार–आधारित अनुसंधान में भी विश्व के अग्रणी देशों में शामिल हो गया है। इस अवसर पर डॉ. जितेंद्र सिंह ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और विकसित भारत के लिए भारत के नवाचार इकोसिस्टम का निर्माण विषय पर आधारित इस दिनभर के कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रदर्शकों से बातचीत की।